Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University

(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 01 July 2024

Dainik Jagran Page - 04

गोवि में स्नातक प्रवेश परीक्षा देकर निकलते छात्र● जागरण

जय मंगल राव बने डीडीयू के नए वित्त अधिकारी

गोरखपुर : दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय को पूर्णकालिक वित्त अधिकारी मिल गए हैं। प्रदेश सरकार ने जय मंगल राव को डीडीयू का नया वित्त अधिकारी बनाया है। वे अब तक राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ में वित्त नियंत्रक के पद पर तैनात थे। गोरखपुर के मुख्य कोषाधिकारी प्रवीण सिंह बीते 30 अप्रैल से डीडीयू के वित्त अधिकारी का अतिरिक्त कार्यभार देख रहे थे। संत प्रकाश सिंह के 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त होने के बाद शासन ने प्रवीण सिंह को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा था।

मनोज वने उप नगर आयुक्तः गोरखपुरः वाराणसी के उप नगर आयुक्त मनोज कुमार सिंह को नगर निगम का उप नगर आयुक्त बनाया गया है। यहां काम कर रहे डा. मणिभूषण तिवारी को संभल में अधिशासी अधिकारी बनाया गया है। डा. मणिभूषण का पिछले वर्ष भी तबादला हुआ था लेकिन बाद में निरस्त हो गया था।

गोवि में स्नातक प्रवेश परीक्षा देकर निकलते छात्र● जागरण

11 केंद्रों पर हुई प्रवेश परीक्षा 88 प्रतिशत रही उपस्थिति

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : सत्र 2024-25 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए चल रही परीक्षाओं के क्रम में रविवार को सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई। सर्वाधिक अभ्यर्थियों वाली बीए आनर्स के अलावा एलएलबी में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन सतर्क रहा। ऐसे में परीक्षा का आयोजन पूरी शुचिता के साथ हुआ।

सुबह की पाली में बीए आनर्स में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सर्वाधिक 11 केंद्र बनाए थे, जिनमें पंजीकृत अभ्यर्थियों के मुकाबले 88 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। परीक्षा के लिए कुल 5408 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। इनमें से 4777 उपस्थित रहे। शाम की पाली में हुई एलएलबी प्रवेश परीक्षा का आयोजन सात केंद्रों पर हुआ, जिनमें अभ्यर्थियों की उपस्थिति करीब 92 प्रतिशत रही। कुल 2964 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। चूंकि रविवार को प्रवेश परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की संख्या अपेक्षाकृत काफी अधिक थी, इसलिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन भी किसी तरह की अनहोनी न होने को लेकर सतर्क रहीं। वह लगभग सभी परीक्षा केंद्रों पर गईं और उनका निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अभ्यर्थियों से प्रश्नपत्र को लेकर जानकारी प्राप्त की और विश्वविद्यालय की ओर से उपलब्ध कराई गई सहूलियत का फीडबैक भी लिया। बीते दिनों की तरह एनएसएस के स्वयंसेवकों और एनसीसी के कैडेटों ने रविवार को भी परीक्षा केंद्र तक आसानी से पहुंचने में अभ्यर्थियों की मदद की।

आज होने वाली प्रवेश परीक्षाएं

सुबह की पाली (सुबह नौ से 11 बजे तक) : एमए प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, गृह विज्ञान, एमएससी गणित व गृह विज्ञान

शाम की पाली (शाम तीन से पांच बजे तक) : बीबीए व एमबीए

Amar Ujala Page - 10

कुलपति ने किया मोजेक पत्रिका का विमोचन

मोजेक पत्रिका का विमोचन करतीं डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन, साथ में सांसद रवि किशन, कमिश्नर अनिल ढींगरा व अन्य। स्रोत - संस्था

गोरखपुर (वि)। सेंट पॉल स्कूल की ओर से शनिवार को संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने मोजेक पत्रिका का विमोचन किया। गोरखपुर विश्वविद्यालय ने तीन लाख छात्रों में एसडीजी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पत्रिका के संस्थापक अमरीश चंद्रा के साथ साझेदारी की है। कुलपति ने इस दौरान कहा कि एसडीजी के प्रति लोगों को जागरूक करके हम संयुक्त राष्ट्र के निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। अमरीश चंद्रा ने कहा कि डीडीयू के साथ जागरूकता को लेकर साझेदारी की जा रही है। यह विकास के लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण कदम होगा। मुख्य अतिथि सांसद रवि किशन ने कहा कि हमें विकास तो करना चाहिए, लेकिन यह प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण के साथ-साथ हो। कमिश्नर अनिल ढींगरा ने कहा कि छात्रों में जागरूकता बहुत ही सराहनीय कदम है। इस दौरान सुधीर मिश्रा, अनुराग बत्रा, मिहिर श्रीवास्तव, डॉ. सोनम महाजन, रोहित बोस, प्रो. डॉ. दिव्या रानी सिंह, प्रो. अनुभूति दुबे, रेव्ह गिरीश चंद्र आदि मौजूद रहे। संवाद

7741 अभ्यर्थियों ने दी बीए और एलएलबी की प्रवेश परीक्षा

गोरखपुर विश्वविद्यालय : कुलपति ने दोनों सत्रों में केंद्रों का किया निरीक्षण, अभ्यर्थियों से लिया फीडबैक

संवाद न्यूज एजेंसी

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में रविवार को बीए ऑनर्स और एलएलबी में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शुचितापूर्वक ढंग से संपन्न हुई।

सुबह की पाली में बीए ऑनर्स में प्रवेश के लिए 11 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई। इसमें 4777 अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

शाम की पाली में एलएलबी प्रोग्राम में प्रवेश के लिए सात केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई, जिसमें 2964 अभ्यर्थियों की उपस्थिति रही।

कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दोनों सत्रों में केंद्रों का दौरा किया और परीक्षा की व्यवस्था का जायजा लिया। विद्यार्थियों से उनका फीडबैक भी लिया।

आज की परीक्षाएं

सुबह : एमए (प्राचीन इतिहास, शिक्षा शास्त्र, शारीरिक शिक्षा, गृह विज्ञान) एमएससी (गणित, गृह विज्ञान)

शाम : एमबीए, बीबीए

गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश परीक्षा के दौरान निरीक्षण करतीं कुलपति प्रो. पूनम टंडन। संवाद

Hindustan Page - 08

7741 ने बीए व एलएलबी की प्रवेश परीक्षा दी

गोरखपुर, निज संवाददाता। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में रविवार को बीए ऑनर्स और एलएलबी में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा शुचितापूर्वक संपन्न हुई। दोनों पालियों में मिलाकर कुल 7741 अभ्यर्थी इसमें शामिल हुए। सुबह की पाली में बीए ऑनर्स में प्रवेश के लिए 11 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित थी। इसमें कुल पंजीकृत 5408 में से 4777 अभ्यर्थी उपस्थित रहे। दूसरी पाली में एलएलबी में प्रवेश के लिए सात केंद्रों पर परीक्षा आयोजित हुई। इसमें पंजीकृत 3230 में से 2964 अभ्यर्थियों ने प्रवेश परीक्षा दी।

डीडीयू में प्रवेश परीक्षा के दौरान व्यवस्था जांचती कुलपति प्रो. पूनम टंडन।

इस सत्र में विश्वविद्यालय की सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा को देखते हुए अभ्यर्थियों की सुविधाओं के मद्देनजर व्यापक इंतजाम किए गए थे। संकेतक के साथ ही सुबह की पाली में हेल्प डेस्क ने भी अभ्यर्थियों को केंद्रों तक समय से पहुंचने में मदद की। कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने दोनों सत्रों में परीक्षा केंद्रों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने व्यवस्था का जायजा लेने के साथ ही पेपर को लेकर विद्यार्थियों का भी फीडबैक लिया।

आज की परीक्षाएं

सुबह 9-11 बजे तक एमए (प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, गृह विज्ञान) एमएससी (गणित, गृह विज्ञान) के लिए प्रवेश परीक्षा होगी। दूसरी पाली अपराह्न 3 से 5 बजे तक एमबीए और बीबीए के लिए प्रवेश परीक्षा होगी। दोनों पालियों में करीब 2 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल होंगे।

आज से दो विभागों के बदल जाएंगे अध्यक्ष

गोरखपुर। डीडीयू में 1 जुलाई से दो विभागों के अध्यक्ष बदल जाएंगे। कुलपति प्रो. पूनम टंडन के आदेश पर कुलसचिव प्रो. शांतनु रस्तोगी ने आदेश जारी कर दिया है। मध्यकालीन इतिहास विभाग में प्रो. चन्द्रभूषण गुप्त 'अंकुर' के सेवानिवृत्त होने पर वरिष्ठता क्रम में प्रो. मनोज कुमार तिवारी को विभागाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। शिक्षाशास्त्र संकाय की अध्यक्ष व विभागाध्यक्ष प्रो. सरिता पांडेय के सेवानिवृत्त होने पर प्रो. राजेश कुमार सिंह विभागाध्यक्ष बनाए गए हैं। प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष प्रो. दिग्विजयनाथ मौर्य का कार्यकाल पूरा होने पर वरिष्ठता के चक्रानुक्रम में प्रो. प्रज्ञा चतुर्वेदी को विभागाध्यक्ष बनाया गया है।

Inext Page - 04

वीसी ने किया मोजेक पत्रिका का विमोचन

GORAKHPUR (30 June): सेंट पॉल स्कूल की ओर से शनिवार को संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सम्मेलन का आयोजन किया. इसमें गोरखपुर यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. पूनम टंडन द्वारा मोजेक पत्रिका का विमोचन किया. डीडीयू ने तीन लाख छात्रों में एसडीजी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पत्रिका के संस्थापक अमरीश चंद्रा के साथ साझेदारी की है. कुलपति ने इस दौरान कहा कि एसडीजी के प्रति लोगों को अवेयर करके हम संयुक्त राष्ट्र के निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं. इस अवसर पर सांसद रवि किशन शुक्ला, कमिश्नर अनिल ढींगरा, अमरीश चंद्रा, सुधीर मिश्रा, अनुराग बत्रा, मिहिर श्रीवास्तव, डॉ. सोनम महाजन, रोहित बोस प्रो. डॉ. दिव्या रानी सिंह, प्रो. अनुभूति दुबे, रेव्ह गिरीश चंद्र आदि मौजूद रहे.

11 केंद्रों पर हुई डीडीयू की प्रवेश परीक्षा, 88 प्रतिशत रही उपस्थिति

gorakhpur@inext.co.in

GORAKHPUR (30 June): सत्र 2024-25 में विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए चल रही परीक्षाओं के क्रम में रविवार को सबसे बड़ी प्रवेश परीक्षा आयोजित हुई. सर्वाधिक अभ्यर्थियों वाली बीए आनर्स के अलावा एलएलबी में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन सतर्क रहा. ऐसे में परीक्षा का आयोजन पूरी शुचिता के साथ हुआ.

सुबह की पाली में बीए आनर्स में प्रवेश के लिए आयोजित परीक्षा के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सर्वाधिक 11 केंद्र बनाए थे, जिनमें पंजीकृत अभ्यर्थियों के मुकाबले 88 प्रतिशत अभ्यर्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई. परीक्षा के लिए कुल 5408 अभ्यर्थी पंजीकृत थे. इनमें से 4777 उपस्थित रहे. शाम की पाली में हुई एलएलबी प्रवेश परीक्षा का आयोजन सात केंद्रों पर हुआ, जिनमें अभ्यर्थियों की उपस्थिति करीब 92 प्रतिशत रही. कुल 2964 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी. चूंकि रविवार को प्रवेश परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों की संख्या अपेक्षाकृत काफी अधिक थी, इसलिए कुलपति प्रो. पूनम टंडन भी किसी तरह की अनहोनी न होने को लेकर सतर्क रहीं. वह लगभग सभी परीक्षा केंद्रों पर गईं और उनका निरीक्षण किया. इस दौरान उन्होंने अभ्यर्थियों से प्रश्नपत्र को लेकर जानकारी प्राप्त की और विश्वविद्यालय की ओर से उपलब्ध कराई गई सहूलियत का फीडबैक भी लिया. बीते दिनों की तरह एनएसएस के स्वयंसेवकों और एनसीसी के कैडेटों ने रविवार को भी परीक्षा केंद्र तक आसानी से पहुंचने में अभ्यर्थियों की मदद की.

आज होने वाली प्रवेश परीक्षाएं

- सुबह की पाली (सुबह नौ से 11 बजे तक): एमए प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, गृह विज्ञान, एमएससी गणित व गृह विज्ञान
- शाम की पाली (शाम तीन से पांच बजे तक) : बीबीए व एमबीए

Swatantra Chetna Page - 04

बीए में प्रवेश के लिए 477 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

☐ परीक्षा केंद्रों का कुलपति ने किया निरीक्षण, अभ्यर्थियों से पूछा कैसा रहा पेपर, लिया फीडबैक

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय में रविवार को बीए आनर्स तथा एलएलबी प्रथम वर्ष में प्रवेश के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा सकुशल एवं शुचितापूर्वक संपन्न हुई।

सुबह की पाली में बीए आनर्स में प्रवेश के लिए 11 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई जिसमें 4777 अभ्यर्थी उपस्थित रहे।

इसके साथ ही शाम की पाली में एलएलबी प्रोग्राम में प्रवेश के लिए 7 केंद्रों पर परीक्षा आयोजित की गई जिसमें 2964 अभ्यर्थियो की उपस्तिथि रही।

कुलपति प्रो पूनम टंडन ने दोनों सत्रों में केंद्रों का दौरा किया तथा केंद्रों पर परीक्षा की व्यवस्था का जायजा लियासाथ ही साथ विद्यार्थियों से उनका फीडबैक भी लिया।

आज आयोजित होने वाली परीक्षाएं

सुबह- एमए (प्राचीन इतिहास, शिक्षाशास्त्र, शारीरिक शिक्षा, गृहविज्ञान) एमएससी (गणित, गृहविज्ञान)

शाम- एमबीए, बीबीए

Nirbhik India

भारत के समक्ष राजनीति चुनौतियों में यूनिवर्सल हेल्थ केयर: डॉ झा

गोरखपुर, संवाददाता- दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित वैल्यू एडेड कोर्स के अंतर्गत दो व्याख्यान का आयोजन किया गया।

- **पहले व्याख्यान में मुख्य वक्ता प्रसिद्ध रेडियोलॉजिस्ट**

डॉ. रोशन कुमार झा रहे तथा दूसरे व्याख्यान में मुख्य अतिथि तथा मुख्य वक्ता अधिष्ठाता छात्र कल्याण एवं सुप्रसिद्ध मनोवैज्ञानिक प्रो.अनुभूति दूबे रहीं।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर राजेश कुमार सिंह ने की तथा संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ महेंद्र कुमार सिंह ने किया।

भारत के समक्ष राजनीति चुनौतियों में यूनिवर्सल हेल्थ केयर: डॉ झा

अपने उद्बोधन में डॉ. रोशन कुमार झा ने भारत के समक्ष राजनीति चुनौतियों में सार्वभौमिक स्वास्थ्य पर विस्तृत चर्चा की।

उन्होंने कहा कि भारत में विविधता के साथ स्वास्थ्य के क्षेत्र में ढेर सारी चुनौतियाँ है। डॉ झा ने समग्र स्वास्थ्य कल्याण पर चर्चा करते स्वास्थ्य के शारीरिक मानसिक भावनात्मक, सामाजिक और अध्यात्मिक घटकों पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मूल केंद्र बिंदु Universal health care अर्थात सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल है। उन्होंने प्रकाश डाला कि कैसे सभी लोगो तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंचाया जाए।

दूसरे सत्र में प्रो.अनुभूति दूबे ने दो विश्वयुद्धों के बीच राजनीतिक मनोविज्ञान पर प्रारंभ हुए शोध व पुस्तकों का इतिहास बताते हुए उनकी उस समय की प्रमुख घटनाओं का मनोविज्ञान के दृष्टिकोण का विश्लेषण किया। राजनीतिक विज्ञान एक अंत: अंतर्विषयक शैक्षणिक क्षेत्र है जो मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण से राजनीति, राजनेताओं और राजनीतिक व्यवहार को समझने के लिए समर्पित है। 21वीं सदी के प्रमुख राजनीतिक व्यक्तित्वों की मनोवृत्तियो का विवरण दिया चाहे वह तानाशाही हो या लोकतांत्रिक। साथ ही प्रो. दूबे ने जॉर्ज गेलोप के द्वारा प्रारंभ Gallop survey के बारे में चर्चा करने हुए कहा कि यह सर्वे कैसे राजनीतिक और आर्थिक मामलों पर जनता की राय को समायोजित करता है तथा जनमत कैसे तैयार करे।

प्रो.अनुभूति जी ने 1960 में रिचर्ड निक्सन एवं जॉन एफ. कैनेडी के बीच हुए बहस जिसमे राष्ट्रपति पद के उम्मीदवारों के प्रचार के लिए नये मानदंड पर चर्चा किया की। किस प्रकार टीवी व रेडियो के माध्यम से दर्शकों को आकर्षित किया गया एवं उम्मीदवारों की छवि को बेहतर बनाने और उनकी विश्वसनीयता बनाने मे कारगर सिद्ध हुआ, जिसका प्रभाव चुनाव परिणाम के रूप मे देखने को मिला। एजेंडा सेटिंग के बारे मे बोलते हुए प्रो अनुभूति दूबे ने बताया कैसे लोग द्वारा अचेतन मस्तिष्क में राजनेता की एक छवि बना ली जाती है की हम उनके बारे में सोचते है जबकि हम उनके बारे में बहुत अधिक नहीं भी जानते है। प्रो दुबे ने बताया कि किस प्रकार ग्रुप थिंक से प्रभावित हो कर राजनेता निर्णय लेते है जो पूरे देश और उनके भविष्य को प्रभावित करते है।

Rashtriya Sahara Page - 07

सेंट पॉल स्कूल के तत्वावधान में संयुक्त राष्ट्र विकास जागरूकता कार्यक्रम में पत्रिका का विमोचन करती डीडीयू की कुलपति प्रो. पूनम टंडन साथ में सांसद रवि किशन शुक्ला, कमिश्नर अनिल ढींगरा, अमरीश चंद्रा, रवीश चन्द्रा व अन्य। फोटो : एसएनबी

दीनदयाल उपाध्याय विवि से प्रवेश परीक्षा देकर निकलते छात्र-छात्राएं।

कुलपति ने किया मोजेक पत्रिका का विमोचन

गोरखपुर(एसएनबी)। सेंट पॉल स्कूल द्वारा संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों एसडीजी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो.पूनम टंडन द्वारा मोजेक पत्रिका का विमोचन किया गया। डीडीयू ने तीन लाख छात्रों में एसडीजी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए पत्रिका के संस्थापक अमरीश चंद्रा के साथ साझेदारी की है।

कार्यक्रम में कुलपति ने कहा कि एसडीजी के प्रति लोगों को अवेयर करके हम संयुक्त राष्ट्र के निर्धारित लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। इस दौरान अमरीश चंद्रा ने कहा कि डीडीयू के साथ जागरूकता को लेकर साझेदारी की जा रही है। यह विकास के लक्ष्यों को हासिल करने में महत्वपूर्ण कदम होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद सांसद रवि किशन और कमिश्नर अनिल ढींगरा ने कहा कि यह बहुत ही सराहनीय कदम है। सांसद रवि किशन ने आगे कहा कि हमें विकास तो करना चाहिए, लेकिन प्रकृति और पर्यावरण के संरक्षण के साथ-साथ। प्रकृति और पर्यावरण को नुकसान पहुंचा कर हमें विकास नहीं चाहिए। उन्होंने कहा कि वह जब तक गोरखपुर में रहेंगे यहां के चौमुखी विकास में अपना योगदान करते रहेंगे। इस अवसर पर सुधीर मिश्रा, अनुराग बत्रा, मिहिर श्रीवास्तव, डॉ. सोनम महाजन, रोहित बोस प्रो. डॉ. दिव्या रानी सिंह, प्रो.अनुभूति दुबे एवं रेव्ह गिरीश चंद्र मौजूद रहे।